परियोजना का नाम	:–	जनपद रूद्रप्रयाग में प्रधानमत्री ग्रामीण सडक योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित, जाबरी से जयकण्डी (अजयपुर से ककोला) मोटर मार्ग (लम्बाई 3.00 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव।

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट

आज दिनाँक 04.01.2019 को सिंचाई खण्ड लो0नि0वि0 पी0एम0जी0एस0वाई0 रूद्रप्रयाग (एजेन्सी का नाम) के द्वारा चिनग्वाड तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री शीशपाल सिंह नेगी, अनुभाग अधिकारी अगस्तमुनि राजस्व विभाग की ओर से श्री अमित सिंह पुण्डीर एवं श्री चन्द्र बल्लभ सिंह नेगी, राजस्व उपनिरीक्षक, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री जसपाल आर्य, कनिष्ठ अभियन्ता, स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में ग्राम प्रधान के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेंतु भाग लिया गया ।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें **920(मी0)** नाप भूमि. से, **0.000 (मी0)** सिविल भूमि से, **2080 (मी0)** वन पंचायत से , **0.000 (मी0)** आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल **0.828 है0** नाप भूमि 0.000 है0 सिविल भूमि **1.456 है0** वन पंचायत भूमि **0.000 है0** आरक्षित वन भूमि तथा मक निस्तारण हेतु **0.045 है0** भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल **1.501 है0** भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग **32 वृक्ष** विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से **01 बांज** प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 920 (मी0) नाप भूमि.से, शून्य (मी0) सिविल भूमि से, 2380 (मी0) वन पंचायत से, शून्य (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 0.828 है0 नाप भूमि शून्य है0 सिविल भूमि 1.540 है0 वन पंचायत भूमि 0.000 है0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 1.540 है0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग **52 वृक्ष** विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से **04 बांज** प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन 0.20–0.30 कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन 20–30 प्रतिशत है एवं इन कक्षों में विभिन्न प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि 76 संख्या विभिन्न प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली वन पंचायत पर शून्य वृक्ष विभिन्न प्रजाति के . वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन 20–30 प्रतिशत है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान. .... है तथा यह स्थल बरसू से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल चिनग्वाड है जिसका ळच्ै मान .... है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के ळच्ै मान संल्गन हैं।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा है/नही है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा / नही होगा ।

इस समरेखण पर निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु, कृषकों की भूमी पर खड् साइड् में मार्ग के समान्तर वायर क्रेट लगाकर उत्सर्जित मलवे का निस्तारण किया जयेगा जो स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका ळच्ै मान

उप वन संरक्षक
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(प्रयोक्ता एजेन्सी) प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	(राजस्व विभाग) प्रतिनिधि	(जन प्रतिनिधि) प्रतिनिधि